Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MAS-402

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination August – 2021

एम.ए. संस्कृत साहित्य, सत्रार्द्ध : चतुर्थ
संस्कृत, प्रश्न-पत्र : द्वितीय
काव्यशास्त्रम्

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. प्राचीन आलङ्कारिकों के विविध अलङ्कारों में से किन्हीं तीन (03) अलङ्कारों को स्पष्ट करें।
2. चित्रकाव्य का स्पष्ट निरूपण करें।
3. ध्वन्यालोक के चतुर्थ उद्योत का परिचय प्रस्तुत करें (विस्तृत विवेचना करें)।
4. काव्यमीमांसा का परिचय देते हुए "चतुर्थ अध्याय" का सार प्रस्तुत करें।
5. काव्य प्रकाश के अष्टम उल्लास में दिये गये "गुण-निरूपण" को विस्तार से समझाइये।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

1. वाच्यार्थ और व्यङ्ग्यार्थ में भेद बताइये।
2. माधुर्यस्वरूपनिरूपण स्पष्ट करें।
3. काव्यमीमांसा के द्वितीय अध्याय "शास्त्रनिर्देशः" को अपने शब्दों में समझाइये।
4. निम्नलिखित श्लोक की व्याख्या करें -

   "श्रुतिमात्रेण शब्दात्तु येनार्थप्रत्ययो भवेत्।
   साधारणः समग्राणां सप्रसादो गुणोमतः।।"
5. ध्वन्यालोक के चतुर्थ उद्योत के किसी एक श्लोक को लिखकर व्याख्या करें।
6. "रसवत् अलङ्कार" समझाइये।
7. ध्वन्यालोक के रचनाकार का परिचय दीजिए।

----------x----------